1. एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला- 23.08.2023

द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव महाविद्यालय अरुमबाकम् में 23 अगस्त 2023 बुधवार को हिंदी विभाग (शिफ्ट-1) की साहित्यिक संस्था **`दर्पण'** द्वारा एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन सुबह 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक किया गया । कार्यशाला का विषय था **"हिन्दी भाषा में रोजगार के अवसर"** । हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय प्रबंधन समिति ने कार्यक्रम की बधाई दी।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ राजशेखर जी, हिन्दी विभागाध्यक्ष लॉयोला कॉलेज, चेन्नई और कार्यशाला में विशिष्ट वक्ता राजस्थान पत्रिका, चेन्नई के प्रभारी संपादक डॉ. पी. एस. विजयराघवन जी थे। हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. हर्षलता शाह ने सभी को धन्यवाद दिया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन बी.एस.सी. की छात्रा कशिश मिश्रा ने किया ।

2.दर्पण 2023- 03.10.2023

द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कॉलेज के हिन्दी विभाग शिफ्ट -I के द्वारा चेन्नई शहर के महाविद्यालयों के हिन्दी विद्यार्थियों लिए **दर्पण -2023** का आयोजन 03 अक्टूबर 2023 को कॉलेज के द्वारका सभागार में किया गया । कुल सात प्रतियोगिताओं में अपना जौहर दिखाने हेतु चेन्नई शहर के 20 कॉलेज के 290 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रसिद्ध साहित्यकार एवं लेखिका शकुन्तला जी करनानी थी । कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं प्रार्थना से हुई । इसके बाद हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार सिंह ने सभी का का स्वागत किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एस. संतोष बाबू ने इस अवसर पर अध्यक्षीय भाषण देते हुए कहा

की भाषा हमारे जीवन की सबसे बड़ी ताकत है। मुख्य अतिथि शकुन्तला करनानी जी ने अपने उद्बोधन में सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन दिया, उन्हें कभी भी हार से न घबराने को कहा और अनेक उदाहरण देते हुए अपनी कविता से ज्ञान की बारिश की।

समापन सत्र में महाविद्यालय के सचिव श्री अशोक कुमार मूँधड़ा जी ने दर्पण आयोजन समिति के सभी सदस्यों को अपनी बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर मूँधड़ा जी के अलावा कॉलेज के कोषाध्यक्ष श्री अशोक केड़िया जी ने भी सभी विजेताओं को बधाई दी। निर्णायक गण जिसमें कि दर्पण के पूर्व सदस्य और हिन्दी विभाग के पूर्व छात्र रहे तरुण कुमार, अंशिका द्विवेदी, श्वेता सिंह,भरत रावल, दिव्या द्विवेदी आदि को तथा दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा से आई महाशक्ति सिंह, रेणुका मिश्रा, को सचिव जी ने सम्मानित किया। इसके बाद सभी प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और ट्रॉफी दी गई। ओवरआल ट्रॉफी की विजेता एथिराज कॉलेज शिफ्ट-2 की टीम रही। अंत में हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ. हर्षलता वी. शाह नें धन्यवाद ज्ञापन दिया। कशिश मिश्रा, ऋषभ और प्रतीक्षा सिंह ने मंच संचालन किया।

3.दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी- 10 & 11.01.2024

द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कॉलेज के हिन्दी विभाग शिफ्ट -I के द्वारा आयोजित **रामचरितमानस और आज की युवा पीढ़ी** विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन विश्व हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर 10 जनवरी 2024 को कॉलेज प्रांगण में हुआ। इस अवसर पर इस संगोष्ठी में पढे जाने वाले प्रपत्रों को संकलित कर पुस्तकाकार रूप देकर उसका विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रसिद्ध साहित्यकार, लेखिका एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ. निर्मला एस. मौर्य जी थी। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार सिंह ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. संतोष बाबू ने इस अवसर पर अध्यक्षीय भाषण दिया।

कॉलेज के सचिव डॉ अशोक कुमार मूँधड़ा जी ने कहा कि राम हमारी सनातन संस्कृति की ऐसी विरासत हैं जिसे हमें बहुत सहेज कर रखना है। उनका चरित्र आज की युवा पीढ़ी के लिए अनुकरणीय है। इस अवसर पर कॉलेज के कोषाध्यक्ष श्री अशोक केड़िया जी ने भी कहा कि यह विश्व कर्म प्रधान है जो जैसा करता है उसे वैसा ही फल प्राप्त होता है ये रामायण का भी सार है।

मुख्य अतिथि डॉ. निर्मला एस. मौर्य जी ने कहा कि इस समय पूरा भारत देश राममय हो गया है और ऐसे शुभ अवसर पर युवा पीढ़ी के लिए हिन्दी विभाग का यह प्रयास सराहनीय है। राम स्वयं एक जीवन दर्शन हैं। मानस समूचे भारत को एकता में जोड़ने वाला ग्रंथ है। हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापिका डॉ हर्षलता वी शाह नें मंच संचालन किया और उद्घाटन सत्र में आए हुए सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. बी. एल. आच्छा जी, डॉ. आशा नायर जी, डॉ. पी. सरस्वती, डॉ. सुधा त्रिवेदी, डॉ. अशोक द्विवेदी, डॉ. गोपालकृष्णन, डॉ. पी. बी. वनिता, डॉ. प्रिया नायडू, डॉ. मनोज द्विवेदी, डॉ. प्रवीण कुमार मिश्र आदि नें प्रथम दिन की संगोष्ठी को सफल बनाने में योगदान दिया और कुल चार सत्रों में 60 से अधिक प्रपत्र प्रस्तुत किए गए। पहले दिन का आकर्षण तृतीय सत्र में 12 छात्रों की प्रस्तुति रही जिससे उनमें आत्मविश्वास का संचार हुआ।

संगोष्ठी के दूसरे दिन 11 जनवरी 2024 को संगोष्ठी वर्चुअल मोड पर हुई। जिसमें चीन, मॉरीशस, नीदरलैंड, मध्यप्रदेश, दिल्ली,अयोध्या,पटना, कोयंबटूर, त्रिची, मदुरै आदि देश और विदेश के विद्वान अपने विचार ऑनलाइन माध्यम से रखा। वर्चुयल मोड के मुख्य अतिथि डॉ विवेक मणि त्रिपाठी जी चीन से जुड़े थे।

मॉरीशस से विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ शुभंकर मिश्र जी जुड़े थे। एक और विशिष्ट अतिथि डॉ परेश कुमार पांडे जी अयोध्या से जुड़े।

4. `वैष्णव काव्य उत्सव' -2024- 19.03.2024

द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव महाविद्यालय के हिंदी विभाग (शिफ्ट-1) के द्वारा`वैष्णव काव्य उत्सव' अन्तर्महाविद्यालयीन काव्य प्रतियोगिता का आयोजन 19.03.2024 मंगलवार को किया गया जिसमें 19 महाविद्यालयों से 28 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के निर्णायक कवयित्री और समाज सेविका डॉ. मंजू रुस्तगी, श्रीमती आकांक्षा बरनवाल और श्रीमती रेखा राय जी थी। हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिंह ने सभी का स्वागत किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. संतोष बाबू ने अतिथियों का सम्मान करते हुए हिंदी भाषा के योगदान पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए छात्र-छात्राओं ने देश प्रेम, माँ, पिता, बहन, प्रकृति, श्रृंगार आदि विषयों पर अपनी कविताओं की प्रस्तुतियाँ दी।

कविता प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार आकाश सिंह एस.आर.एम. वडपलनी, द्वितीय पुरस्कार गौरव एम. सेंट थॉमस कॉलेज, तृतीय पुरस्कार दिनेश छेत्री एम सी सी कॉलेज और दो सांत्वना पुरस्कार अमृतवर्सिनी डबल्यू सी सी तथा तेजस शर्मा एस आर एम इंस्टीट्यूट को मिला ।

कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. हर्षलता वी. शाह ने सभी को धन्यवाद दिया। बी एस सी गणित की छात्रा गरिमा और अर्थशास्त्र की छात्रा नागेश्वरी पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। परी शिवनारायन ने रेखा राय जी का, सलोनी दवे ने आकांक्षा बरनवाल का और रीतिका ने मंजू रुस्तगी का परिचय दिया ।